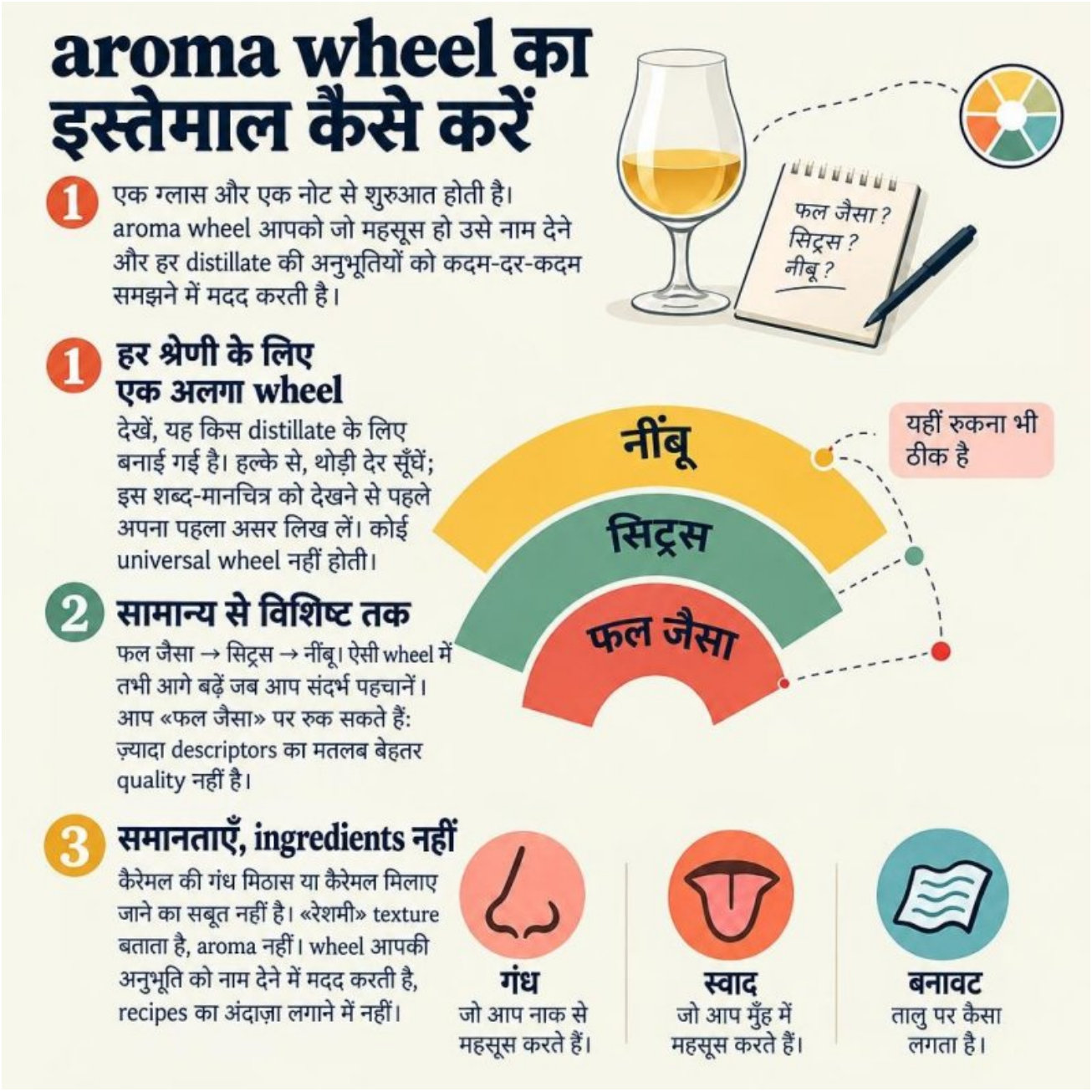
vinetur

सुगंध, स्वाद और सामग्री को गड्डमड्ड किए बिना किसी स्पिरिट का वर्णन करने के लिए अरोमा व्हील का उपयोग कैसे करें

यह मार्गदर्शिका बताती है कि अरोमा व्हील किस काम आ सकता है, हर व्हील हर पेय के लिए उपयुक्त क्यों नहीं होता और व्यापक छाप से अधिक स्पष्ट वर्णन तक कैसे पहुँचा जाए।

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



सुगंध चक्र सूँघकर महसूस की गई चीज़ों को अधिक स्पष्ट शब्दों में बताने में मदद करता है, लेकिन केवल उतनी ही बारीकी तक जितनी आप पहचान सकें। वर्णन करने वाले शब्द किसी सामग्री की मौजूदगी साबित नहीं करते, और उनकी संख्या किसी आसुत पेय की गुणवत्ता नहीं मापती। एआई द्वारा निर्मित शैक्षिक चित्र।

स्पिरिट को सूँघते समय किसी सुगंध को पहचान लेना, लेकिन उसके लिए सही शब्द न ढूँढ़ पाना बहुत आम है। अरोमा व्हील शब्दावली को व्यवस्थित करने और एक व्यापक छाप से अधिक सटीक वर्णन तक पहुँचने में मदद करता है—बिना अनुभव को परीक्षा या सामग्री का अनुमान लगाने वाला खेल बनाए।

आप जो सूँघते हैं, उसका नाम बताने का मानचित्र

अरोमा व्हील संवेदी शब्दों को व्यवस्थित करने का एक साधन है, ताकि हम अपनी अनुभूति का अधिक स्पष्ट वर्णन कर सकें। इसका मुख्य उद्देश्य संवाद है : यह बताने में मदद करता है कि कोई चीज़ आपको फल, फूल, मसाले, लकड़ी या धुएँ की याद दिलाती है या नहीं ; और फिर, अगर तुलना सचमुच उपयुक्त लगे, तो वर्णन को और सटीक बनाने में मदद करता है। इस संदर्भ में, वर्णनकर्ता शब्द बस वह शब्द है जो उस सुगंध-संबंधी स्मृति या समानता का नाम बताता है।

इसका इस्तेमाल शब्दों के मानचित्र के रूप में करना सबसे अच्छा है, न कि अंक देने या कौशल की परीक्षा लेने के साधन

के रूप में। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हर व्हील में सिर्फ सुगंधें नहीं होतीं: Scotch Whisky Association द्वारा साझा किए गए Scotch Whisky Research Institute के व्हील में स्वाद और अन्य संवेदनाएँ भी शामिल हैं। इसलिए किसी व्हील को सही ढंग से पढ़ने का अर्थ है यह समझना कि उसमें किस तरह के शब्द एक साथ रखे गए हैं—यह मान लेना नहीं कि हर शब्द किसी एक सुगंध या गिलास में मौजूद किसी पदार्थ का ही उल्लेख करता है।

देखें कि व्हील किस पेय के लिए बनाया गया है

व्हील का इस्तेमाल करने से पहले सबसे पहले यह देखना चाहिए कि उसे किस पेय के लिए बनाया गया था। उदाहरण के लिए, व्हिस्की के लिए SWRI व्हील केंद्र के पास व्यापक श्रेणियों से शुरू होकर किनारे पर अधिक विशिष्ट वर्णनकर्ताओं तक जाता है। यह संरचना सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ने का तरीका सिखाने में बहुत उपयोगी है, लेकिन इसे हर स्पिरिट के लिए अनिवार्य नमूना नहीं मानना चाहिए।

दूसरे साधनों की व्यवस्था अलग होती है, क्योंकि वे किसी दूसरे पेय को समझाने के लिए बनाए गए हैं। कॉन्यैक के लिए BNIC की सामग्री सुगंध-समूहों को ऋतुओं से जोड़ती है—यह उस साधन की अपनी दृश्य युक्ति है। चीनी स्पिरिट की एक शैली Jiang-style baijiu में, शब्दावली और व्हील दोनों उस श्रेणी की विशिष्ट संवेदी विशेषताओं के अनुरूप हैं। WSET स्पिरिट का वर्णन करने के लिए उपयोगी शब्दावली भी देता है, लेकिन वह सामग्री शब्दावली-संग्रह है, व्हील नहीं। व्यावहारिक बात सरल है : किसी साधन के शब्द अपनाने से पहले हमेशा उसकी श्रेणी और उद्देश्य जाँचें।

साधन	यह शब्दों को कैसे व्यवस्थित या प्रस्तुत करता है	किन बातों का ध्यान रखें
व्हिस्की के लिए SWRI व्हील	व्यापक श्रेणियों से अधिक विशिष्ट वर्णनकर्ताओं की ओर बढ़ता है	सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ना सीखने के लिए बहुत उपयोगी, लेकिन सार्वभौमिक नमूना नहीं
कॉन्यैक के लिए BNIC की सामग्री	सुगंध-समूहों को ऋतुओं से जोड़ती है	ऋतुएँ इस साधन की अपनी दृश्य युक्ति हैं
Jiang-style baijiu के लिए व्हील	इस श्रेणी की विशेषताओं के अनुरूप शब्दावली का उपयोग करता है	इसके शब्द एक विशिष्ट पेय के लिए बनाए गए हैं, सभी स्पिरिट के लिए नहीं
WSET	स्पिरिट का वर्णन करने के लिए शब्दावली देता है	यह उपयोगी शब्दावली-संग्रह है, व्हील नहीं

एक श्रेणी से शुरू करें और तभी अधिक विशिष्ट हों जब आप कर सकें

सामान्य से विशिष्ट की ओर व्यवस्थित व्हील में आप इस तरह आगे बढ़ सकते हैं। पहले कोई व्यापक श्रेणी चुनें, जैसे फल-संबंधी। फिर, अगर मदद मिले, तो अधिक सटीक समूह चुनें, जैसे खट्टे फल। सबसे अंत में ही नींबू जैसा कोई विशिष्ट संदर्भ खोजें। यह क्रम आपकी अनुभूतियों को व्यवस्थित करने में मदद करता है ; यह आपको सबसे बारीक स्तर तक जाने के लिए बाध्य नहीं करता। अगर आप पूरे विश्वास से सिर्फ इतना कह सकते हैं कि सुगंध फल-संबंधी लगती है, तो यह वर्णन भी मान्य है। दूसरे व्हील अपने शब्दों को अलग ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं।

शुरुआत करने के लिए आपको दर्जनों शब्दों की ज़रूरत नहीं है। आम तौर पर एक छोटी सूची काफी होती है : फल-संबंधी, पुष्पीय, हर्बल, मसालेदार, लकड़ी और भुने हुए नोट्स, वनीला या कैरामेल जैसी मीठी याद दिलाने वाली सुगंधें, और धुएँ वाले नोट्स। इन श्रेणियों में सेब, नाशपाती, खट्टे फल, गुलाब, पुदीना, दालचीनी, लौंग, देवदार, कॉफी या धुएँ जैसे उदाहरण मिल सकते हैं। यह वर्गीकरण शुरुआती लोगों के लिए किया गया संपादकीय सरलीकरण है, सभी स्पिरिट में साझा कोई आधिकारिक वर्गीकरण नहीं। इसका यह अर्थ भी नहीं है कि किसी पेय में ये सभी श्रेणियाँ ज़रूर दिखनी चाहिए।

अगर कोई विशिष्ट संदर्भ आपके लिए अपरिचित है, तो उसे ज़बरदस्ती अपनाने की ज़रूरत नहीं। आप व्यापक श्रेणी तक सीमित रह सकते हैं या ऐसा दूसरा शब्द चुन सकते हैं जो आपको अधिक स्वाभाविक लगे। व्हील तब सबसे अच्छा काम करता है, जब वह आपकी पहले से महसूस की गई किसी बात को पहचानने में मदद करे—जब वह आपको किसी और के शब्दों की नकल करने के लिए न उकसाए। अनिश्चित शब्दों की लंबी सूची से बेहतर है एक छोटा और ईमानदार वर्णन।

हर बार सबसे बारीक विवरण तक पहुँचना ज़रूरी नहीं

अगर आप सिर्फ फल-संबंधी या मसालेदार जैसी व्यापक श्रेणी पहचानते हैं, तो भी वर्णन उपयोगी है।

जब आपको व्हील से लिए गए कई शब्दों पर भरोसा न हो, तो एक ऐसा शब्द जिसे लेकर आप निश्चित हों, उन शब्दों की नकल करने से बेहतर संवाद करता है।

सुगंध, स्वाद या सामग्री एक ही चीज़ नहीं हैं

व्हील का इस्तेमाल करते समय तीन स्तरों को अलग रखना उपयोगी है : सूँघने का अनुभव, स्वाद और शारीरिक अनुभूति। समग्र अनुभव के अर्थ में स्वादानुभूति इनमें से कई चीज़ों को एक साथ लाती है, लेकिन ये एक ही चीज़ नहीं हैं। यह कहना कि किसी स्पिरिट से कैरामेल की सुगंध आती है, यह साबित नहीं करता कि उसका स्वाद मीठा है। यह कहना कि उसका स्पर्श रेशमी है, बनावट का वर्णन है, सुगंध का नहीं। इस फर्क से अलग-अलग श्रेणियों के शब्दों को मिलाने से बचने और अधिक स्पष्ट वर्णन करने में मदद मिलती है।

इससे एक आम निष्कर्ष से बचने में भी मदद मिलती है : कि केवल सुगंध-समानता से किसी सामग्री या रेसिपी का पता चल जाता है। फलों जैसी कुछ सुगंधें किण्वन से जुड़ी हो सकती हैं। वनीला जैसी सुगंध उम्र बढ़ाने के दौरान ओक के प्रभाव से आ सकती है, भले ही वनीला सामग्री के रूप में न डाली गई हो। जिन जैसे पेयों में कुछ वनस्पतियाँ अधिक सीधे तौर पर सुगंध दे सकती हैं। एक ही तरह की याद दिलाने वाली सुगंधों के स्रोत अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए सुगंध आपको एक दिशा दिखा सकती है, लेकिन उससे यह पता लगाना पर्याप्त नहीं कि पेय कैसे बनाया गया था।

एक आसान क्रम आज़माएँ : सूँघें, लिखें, फिर जाँचें

पहले अभ्यास के लिए हल्के-हल्के, छोटे सूँघने के दौर पर्याप्त हैं। स्पिरिट के मामले में, दूसरे पेयों की चखने की आदतों—जैसे गिलास को ज़ोर से घुमाना—की नकल अपने-आप नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अल्कोहल आपकी अनुभूति पर हावी हो सकता है। सीखने को घूँट-दर-घूँट की प्रक्रिया बनाने या अभ्यास के लिए गिलास पूरा खत्म करने की भी ज़रूरत नहीं है। व्हील के साथ अभ्यास करने के लिए सिर्फ सूँघना काफी है।

शुरुआती लोगों के लिए एक उपयोगी क्रम यह हो सकता है : पहले अपनी छाप अपने शब्दों में लिखें; फिर श्रेणी खोजने के लिए व्हील देखें; और अंत में ही अधिक विशिष्ट हों, अगर कोई संदर्भ सचमुच उपयुक्त लगे। यह एक व्यावहारिक सुझाव है, ऐसा तरीका नहीं जिसे हर दूसरे तरीके से बेहतर साबित किया गया हो। इसका लाभ यह है कि इससे आप जो वास्तव में महसूस करते हैं और साधन से ली गई शब्दावली—इन दोनों के बीच स्पष्ट अंतर बना रहता है।

अनिश्चितता भी एक अच्छे वर्णन का हिस्सा है। एक सोच-समझकर दिया गया काल्पनिक उदाहरण हो सकता है : “मुझे यह फल-संबंधी लगता है, शायद नाशपाती, और इसमें लकड़ी का कुछ एहसास है ; मैं पूरे विश्वास से दूसरे नोट्स पहचान नहीं पा रहा।” इस तरह कहना व्हील के हर खंड को भरने की कोशिश करने से अधिक उपयोगी है। अगर आप सिर्फ एक या दो बातें पहचानते हैं, तो वहीं रुक सकते हैं। लक्ष्य अधिक स्पष्ट वर्णन करना है, खाने भर के खाने पूरे करना नहीं।

शुरुआत करने का एक आसान तरीका

1. हल्के-हल्के, छोटे सूँघने के दौर लें; गिलास को ज़ोर से न घुमाएँ।
2. अपनी पहली छाप अपने शब्दों में लिखें।
3. सुगंध की श्रेणी खोजने के लिए व्हील देखें।
4. तभी अधिक विशिष्ट हों जब कोई संदर्भ सचमुच उपयुक्त लगे, उदाहरण के लिए: "फल-संबंधी, शायद नाशपाती"।

व्हील को अंक देने का पैमाना बनाए बिना वर्णन करें

व्हील मुख्य रूप से एक सवाल का जवाब देने में मदद करता है : "यह मुझे किस चीज़ की याद दिलाता है ?" अपने-आप यह दो दूसरे, अलग सवालों का जवाब नहीं देता : "इसका समग्र प्रभाव कैसा है ?" और "क्या मुझे यह पसंद है ?" कोई पेय आपको कई चीज़ों की याद दिला सकता है, फिर भी आपको पसंद न आए ; या आप उसे बहुत पसंद कर सकते हैं, भले ही उसके लिए सिर्फ दो-तीन शब्द ही ढूँढ़ पाएँ। वर्णनकर्ताओं की गिनती से अपने-आप किसी स्पिरिट की गुणवत्ता या पाठक की क्षमता नहीं मापी जाती।

शांत मन से इस्तेमाल करने पर व्हील आपको अधिक स्पष्टता से बोलने और किसी एक अनुभूति को सही ठहराए बिना अपनी छापों की तुलना करने में मदद करता है। आपको उसके सभी शब्द याद करने, हर खंड पहचानने या हमेशा सबसे बारीक स्तर तक पहुँचने की ज़रूरत नहीं। अगर वह "मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसे कैसे कहूँ" से "यह फल-संबंधी, मसालेदार या लकड़ी जैसा लगता है" तक पहुँचने में मदद करता है, तो वह अपना काम कर रहा है। इसके बाद, कोई भी अतिरिक्त सटीकता इस बात से आनी चाहिए कि आप वास्तव में क्या सूँघते हैं—उससे नहीं कि आपको क्या लगता है कि आपको ज़रूर मिलना चाहिए।

व्हील वर्णन करने में मदद करता है, अंक देने में नहीं

यह क्या कर सकता है

शब्दों को व्यवस्थित कर सकता है, ताकि आप बता सकें कि कोई स्पिरिट आपको किस चीज़ की याद दिलाता है।

ज़रूरत पड़ने पर व्यापक छाप से अधिक विशिष्ट वर्णन तक पहुँचने में मदद कर सकता है।

यह अपने-आप क्या नहीं कर सकता

वर्णनकर्ताओं की संख्या से किसी पेय की गुणवत्ता साबित करना।

सामग्री, बनाने के तरीके या व्यक्तिगत पसंद का अपने-आप पता लगाना।